भारतीय स्टेट बैंक

केन्द्रीय भर्ती एवं पदोन्नति विभाग,
कॉरपोरेट केन्द्र, मुंबई
(फोन: 022-2282 0427; फैक्स: 022-2282 0411; ई-मेल: crpd@sbi.co.in)

उपाध्यक्ष (निवेशक संबंध), उप मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (आईटी-इंफ्रास्ट्रक्चर) एवं उप मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (ई-चैनल्स) की भर्ती

विज्ञापन सं. सीआरपीडी/एससीओ/2016-17/03

आवेदन का ऑनलाइन पंजीकरण एवं शुल्क का भुगतान दिनांक 12.05.2016 से 24.05.2016 तक

सीआरपीडी, मुंबई में अनुलग्नकों के साथ आवेदन की प्राप्ति की अंतिम तिथि: 30.05.2016

भारतीय स्टेट बैंक में संविदा आधार पर उपाध्यक्ष (निवेशक संबंध) एवं उप मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (आईटी-इंफ्रास्ट्रक्चर) एवं उप मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (ई-चैनल्स) के पदों के लिए योग्य एवं अनुभवी उम्मीदवारों की आवश्यकता है.

1. रिक्त-पद एवं अन्य विवरण (आयु, शैक्षणिक योग्यता, अनुभव) निम्नानुसार हैं:

पद क्र.	पद का नाम/ नियुक्ति का स्थान	रिक्त-पद	आयु 31.03.16 को	शैक्षणिक योग्यता 31.03.16 को	संबंधित अनुभव 31.03.16 को
ए	**उपाध्यक्ष** (निवेशक संबंध) **नियुक्ति का स्थान:** कॉरपोरेट केन्द्र, मुंबई	1	अधिकतम 45 वर्ष	उम्मीदवार को अनिवार्य रूप से किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक होना चाहिए और चार्टर्ड अकाउंटेन्ट/एमबीए (फाइनैंस) वाले उम्मीदवारों को वरीयता दी जाएगी.	निवेश बैंकिंग में या निवेश ब्रोकिंग हाउस में न्यूनतम 10 वर्ष का अनुभव जिसमें संस्थागत विक्रय पक्ष देखा जाता हो। निवेश अनुसंधान में अनुभव को वरीयता दी जाएगी.
बी	**उप मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी** (आईटी - इंफ्रास्ट्रक्चर) **नियुक्ति का स्थान:** जीआईटीसी, सीबीडी बेलापुर	1	अधिकतम 45 वर्ष	मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से कंप्यूटर विज्ञान, सूचना प्रणाली या अन्य संबंधित क्षेत्रों में इंजीनियरिंग स्नातक. एमबीए की योग्यता वाले उम्मीदवारों को वरीयता दी जाएगी.	आईटी व्यवसाय/उद्योग में न्यूनतम 15 वर्ष का अनुभव. इसमें से, कम से कम 5 वर्ष का बैंकों/वित्तीय संस्थानों में वृहत रूपांतरणकारी आईटी परियोजनाओं के क्रियान्वयन में अनुभव रखने वालों को वरीयता दी जाएगी.
सी	**उप मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी** (ई-चैनल्स) **नियुक्ति का स्थान:** जीआईटीसी, सीबीडी बेलापुर	1	अधिकतम 45 वर्ष	मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से कंप्यूटर विज्ञान, सूचना प्रणाली या अन्य संबंधित क्षेत्रों में इंजीनियरिंग स्नातक. एमबीए की योग्यता वाले उम्मीदवारों को वरीयता दी जाएगी.	आईटी व्यवसाय/उद्योग में न्यूनतम 15 वर्ष का अनुभव. इसमें से, कम से कम 5 वर्ष का बैंकों/वित्तीय संस्थानों में वृहत रूपांतरणकारी आईटी परियोजनाओं के क्रियान्वयन में अनुभव रखने वालों को वरीयता दी जाएगी.

2. कार्य की रूपरेखा:

पद क्र. (ए): उपाध्यक्ष (निवेशक संबंध) द्वारा महाप्रबंधक (निष्पादन योजना एवं पुनर्विलोकन) को रिपोर्ट किया जाएगा. भूमिकाओं उत्तरदायित्वों व प्रमुख निष्पादन क्षेत्रों का विस्तृत ब्योरा अनुलग्नक I में दिया गया है.

पद क्र. (बी): प्रमुख आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर का प्रबंध करके और आईटी की कार्यनीतिक योजनाओं को संभाल कर मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी और डीएमडी एवं सीआईओ की सहायता करना. भूमिकाओं, उत्तरदायित्वों व प्रमुख निष्पादन क्षेत्रों का विस्तृत ब्योरा अनुलग्नक - II में दिया गया है.

पद क्र. (सी): ई-चैनलों का प्रबंध करके मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी और डीएमडी एवं सीआईओ की सहायता करना. भूमिकाओं, उत्तरदायित्वों व प्रमुख निष्पादन क्षेत्रों का विस्तृत ब्योरा अनुलग्नक - III में दिया गया है.

मुख्य अपेक्षित निपुणताएं:

ए. उप मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (आईटी-इंफ्रास्ट्रक्चर) के पद हेतु

क) प्रोग्राम और डिलीवरी मैनेजमेन्ट में उत्तम निपुणता

ख) इंफ्रास्ट्रक्चर परिचालनों (नेटवर्क मैनेजमेन्ट, क्लाउड मैनेजमेन्ट, लार्ज सर्वर, डेटा सेन्टर मैनेजमेन्ट, डेस्कटॉप मैनेजमेन्ट आदि) के संचालन का उत्तम ट्रैक रिकॉर्ड

ग) बड़ी इंफ्रास्ट्रक्चर रूपांतरणकारी कार्यक्रमों को संचालित करने की क्षमता

घ) परियोजना प्रबंधन

ड) आईटी डिलीवरी, आईटी अनुपालन एवं आईटी जोखिम प्रबंधन

बी. उप मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (ई-चैनल्स) के पद हेतु:

क) एसओए आधारित एपीआई आर्किटेक्चर की समझ

ख) ग्राहक अनुभव की बहुत अच्छी समझ

ग) ई-चैनलों के लिए तकनीकी निर्देशन एवं रोडमैप

घ) चैनल्स एप्लिकेशन्स के मापनीय, त्रुटि सहनीय एवं लचनशील परिनियोजन की गहरी जानकारी

ड) इंटीग्रेशन टेक्नोलॉजीस एक्सेलेंट प्रोग्राम डिलीवरी स्किल्स, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट का बहुत अच्छा ज्ञान

च) बैंकिंग/वित्तीय संस्थान कंपनियों में आईटी डिलीवरी, आईटी अनुपालन एवं आईटी जोखिम प्रबंधन अनुभव.

3. चयन प्रक्रिया:

(i) चयन व्यक्तिगत साक्षात्कार के आधार पर होगा.

(ii) उम्मीदवारों की शैक्षणिक योग्यता, अनुभव एवं समग्र उपयुक्तता के आधार पर व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिए एक योग्यता सूची तैयार की जाएगी.

4. कार्य पर रखने का प्रकार (सभी पद) : संविदात्मक

संविदा 3 वर्षों की अवधि के लिए होगी और बैंक के विवेकाधिकार पर नवीकरण योग्य रहेगी. संविदा को दोनों पक्षों में से किसी भी एक के द्वारा एक माह की सूचना पर, या उसके बदले एक माह की क्षतिपूर्ति राशि के भुगतान/अभ्यर्पण पर समाप्त किया जा सकता है।

5. पारिश्रमिक: प्रतिपूर्ति पैकेज में स्थायी और परिवर्तनशील पारिश्रमिक राशि शामिल है तथा योग्य उम्मीदवार के मामले में इसमें वृद्धि की जा सकती है.

6. अवकाश का ब्योरा: अधिकारी प्रति वित्त वर्ष 30 दिन के अवकाश के लिए पात्र होगा. अवकाश की अनुमति बैंक के अनुमोदन से और संबंधित वित्त वर्ष में यथानुपातिक आधार पर प्रदान की जाएगी.

7. आवेदन शुल्क (गैर वापसी योग्य): रु. 600/- (रुपए छह सौ मात्र): ऑनलाइन माध्यम से. आवेदन शुल्क का एक बार भुगतान हो जाने के बाद उसे किसी भी खाते में वापस नहीं किया जाएगा.

8. आवेदन कैसे करें/ऑनलाइन आवेदन भरने के लिए दिशा-निर्देश:

उम्मीदवार केवल 12.05.2016 से 24.05.2016 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं और किसी अन्य प्रकार से आवेदन स्वीकार्य नहीं होगा.

- **आवेदन का पंजीकरण**
  उम्मीदवारों को बैंक की वेबसाइट www.statebankofindia.com **या** www.sbi.co.in पर 'कॅरिअर्स' भारतीय स्टेट बैंक में विशेष संवर्ग के अधिकारी की भर्ती के अंतर्गत स्वयं का ऑनलाइन पंजीकरण करना होगा.
- **शुल्क का भुगतान:** पंजीकरण के बाद उम्मीदवारों को डेबिट/क्रेडिट कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग का उपयोग करते हुए ऑनलाइन से अपेक्षित आवेदन शुल्क का भुगतान करना होगा.
- **फोटोग्राफ एवं हस्ताक्षर को स्केन एवं अपलोड करना:** उम्मीदवारों को फोटोग्राफ एवं हस्ताक्षर की स्कैनिंग के लिए दिशानिर्देशों के अंतर्गत दी गई जानकारी के अनुसार अपने फोटोग्राफ एवं हस्ताक्षर को सबसे पहले स्कैन कर लेना चाहिए.
- **आवेदन (ऑनलाइन पंजीकृत) और साथ में (1) पहचान के प्रमाण (2) जन्मतिथि के प्रमाण (3) शैक्षणिक प्रमाणपत्र: अंक-सूचियाँ/डिग्री प्रमाण-पत्र (4) अनुभव प्रमाण-पत्र (5) शुल्क भुगतान की ई-रसीद की फोटो कॉपियाँ तथा आवेदक का संक्षिप्त, ब्योरा जिसमें नौकरी, यदि कोई हो, में निष्पादन उपलब्धियों तथा कॅरिअर का वर्णन हो और साथ में उससे संबंधित सहायक दस्तावेज भी हों, जिन्हें "केन्द्रीय भर्ती एवं पदोन्नति विभाग, कॉरपोरेट केन्द्र, तृतीय तल, अटलांटा भवन, नरीमन पॉइंट, मुंबई - 400021". ऑनलाइन आवेदन की प्रति अनुलग्नको सहित सीआरपीडी, मुंबई में प्राप्त होने की अंतिम तिथि 30.05.2016. उपरोक्त तिथि तक आवश्यक दस्तावेजों के साथ ऑन लाइन आवेदन की फोटो कॉपियाँ प्राप्त न होने की स्थिति में योग्यता सूची एवं साक्षात्कार हेतु उनकी उम्मीदवारिता पर विचार नहीं किया जाएगा.**
- शासकीय/अर्ध-शासकीय कार्यालयों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, जिनमे राष्ट्रीयकृत बैंक एवं वित्तीय संस्थान शामिल हैं, में कार्यरत उम्मीदवारों के लिए साक्षात्कार के समय नियोक्ता से "अनापत्ति प्रमाण-पत्र" प्राप्त करके जमा करवाना होगा.

9. सामान्य सूचना:

1. साक्षात्कार के लिए बुलाए जाने वाले उम्मीदवारों को हवाई किराए (इकॉनॉमी) या भारत में सबसे निकटतम मार्ग के वास्तविक किराए (जो भी कम हो) का भुगतान किया जाएगा.
2. चुने गए उम्मीदवार की नियुक्ति बैंक की आवश्यकता के अनुसार उसकी चिकित्सा की दृष्टि से स्वस्थ होने की घोषणा के अध्यधीन रहेगी. ऐसी नियुक्ति बैंक में ऐसे पदों के लिए बैंक के उन सेवा एवं आचरण नियमों के अध्यधीन भी रहेगी, जो बैंक में कार्य-ग्रहण के समय लागू हैं.
3. योग्यता, चयन आदि के संबंध में सभी मामलों में बैंक के निर्णय अंतिम एवं उम्मीदवारों के लिए बाध्यकारी होंगे. इस संबंध में बैंक द्वारा कोई अभ्यावेदन या पत्र-व्यवहार पर विचार नहीं किया जाएगा.

मुंबई, **महाप्रबंधक**
दिनांक : 11.05.2016 **(सीआरपीडी)**

अनुलग्नक - I

उपाध्यक्ष (निवेशक संबंध) की
भूमिकाएँ एवं उत्तरदायित्व

- एक निवेशक संबंध योजना तैयार करना और उसका प्रबंध करना
- निवेश समुदाय, इक्विटी विश्लेषकों एवं रेटिंग एजेंसियों के लिए प्रमुख संपर्क बिंदु के रूप में कार्य करना.
  क) यह सुनिश्चित करना कि विश्लेषकों एवं निवेशकों को पहुँचे संदेश का उचित प्रभाव हो.
  ख) बोधवाले मामलों को समझना जिसमें निवेश विवरणों, इसकी विषय-वस्तु एवं समय-सीमा को तैयार करना शामिल है.
- एक निवेशक लक्षित योजना तैयार करना जिसमें एक अखिल-वैश्विक निवेशक प्रोफाइल तैयार करना तथा ऐसे समूह निवेशकों की पहचान शामिल करना हो, जिनके एसबीआई में निवेश करने की ज्यादा संभावन हो.
- तिमाही विश्लेषक बैठक तथा आय अर्जन सम्मेलन आयोजित करना.
  क) विश्लेषक कॉल के लिए अच्छी तरह से तैयार रहने हेतु वरिष्ठ प्रबंधन के लिए समस्त प्रासंगिक तथ्य प्राप्त करने हेतु आंतरिक हितधारकों से संबंध स्थापित करना.
  ख) प्राय: पूछे जाने वाले प्रश्नों और उत्तरों को तैयार करना.
  ग) विश्लेषक बैठक एवं आय कॉल की मेजबानी हेतु आवश्यक प्रबंध करना.
- विश्लेषक रिपोर्टों का अवलोकन करना और वरिष्ठ प्रबंधन के लिए उनका सारांश तैयार करना.
- एसबीआई का प्रबंधन कैसे हो रहा है, इस बारे में निवेशक समुदाय की अनुभूतियों और वित्तीय परिणामों के बारे में उनके विचारों के संबंध में प्रबंधन को जानकारी उपलब्ध करवाना.
- वर्तमान एवं भावी निवेशकों के साथ बैठकों एवं संगोष्ठियों की व्यवस्था करना.
  ए) बैठकों एवं संगोष्ठियों के पहले आवश्यक व्यवस्थाएँ करना.
  बी) बैठकों एवं संगोष्ठियों तथा चर्चा के विषयों का लेखाजोखा रखना.
- निवेशकों, विश्लेषकों एवं रेटिंग एजेंसियों का डेटाबेस तैयार करना.
- रेटिंग एजेंसियों के साथ बातचीत करना और उनके रेटिंग तर्काधार को समझना
- नियमित रूप से शेयरधारकों की गतिविधि पर नजर रखना और ऐसे विश्लेषणों के आधार पर शीर्ष प्रबंधन को संस्तुतियाँ प्रदान करना.
- संतुष्टि के उच्च स्तर को सुनिश्चित करने के लिए विश्लेषकों एवं निवेशकों के प्रश्नों का समाधान करना.
- बैंक की वेबसाइट के निवेशक संबंध भाग का प्रबंध करना.
- निम्नांकित पर समकक्षों की तुलना में एसबीआई के लिए बेंचमार्क निर्धारित करना:
  ए) वित्तीय प्रदर्शन
  बी) अंश मूल्य गतिविधि
- समय-समय पर जीएम (पीपीआर) द्वारा सौंपे गए अन्य कार्य करना.

अनुलग्नक - II

उप मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (आईटी-इंफ्रास्ट्रक्चर) की
भूमिकाएँ, उत्तरदायित्व एवं प्रमुख निष्पादन क्षेत्र

भूमिका: प्रमुख आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर का प्रबंध कर के एवं आईटी की कार्यनीतिक योजना को संभालकर सीटीओ एवं डीएमडी तथा सीआईओ की सहायता करना.

उत्तरदायित्व: प्रमुख आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर, प्रौद्योगिकी योजना एवं एप्लिकेशन डेवलपमेंट तथा बैंक के आईटी संबंधी परिचालनों को संभालना. नई प्रौद्योगिकी पहलों का क्रियान्वयन करना और साथ ही साथ बैंक का टेक्नोलॉजी आर्किटेक्चर तैयार करना ताकि इसकी अपेक्षित आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके और वह बाजार में प्रौद्योगिकी की दृष्टि से प्रतिस्पर्धी बना रहे.

प्रमुख निष्पादन क्षेत्र:

आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर/प्रौद्योगिकी योजना

- सिस्टम के निष्पादन, उपलब्धता एवं सेवा स्तर की आवश्यकताओं की पूर्ति को सुनिश्चित करना.
- पुरानी या शीघ्र पुरानी होनेवाली प्रौद्योगिकी में निवेश करने से बचने के लिए नए प्रस्तावों की जानकारी रखना.
- यह सुनिश्चित करना कि समस्त आईटी संपत्तियाँ पूर्ण जीवनकाल चक्र मूल्य प्राप्त करें.
- कार्यक्षम रूप से रखरखाव संबंधी आवश्यकताओं को निर्धारित करने हेतु वर्तमान प्रौद्योगिकी का निरंतर मूल्यांकन करना.
- समय-समय पर वर्तमान आईटी संसाधनों के प्रदर्शन का विश्लेषण करना एवं क्षमता के विस्तार के लिए योजना बनाना.
- उद्यम प्रौद्योगिकी मानकों, अभिशासन प्रक्रियाओं एवं निष्पादन मेट्रिक्स के विकास का ध्यान रखना जिससे यह सुनिश्चित हो कि आईटी उद्यम को मूल्य प्रदान कर रहा है.
- प्रौद्योगिकी आर्किटेक्चर, इंफ्रास्ट्रक्चर योजना, इंजीनियरिंग एवं डिप्लॉयमेंट का कार्य संचालित करना.

वेन्डर प्रबंधन:

- विभिन्न आईटी एप्लिकेशन्स में सहयोग करने वाले बैंक के प्रौद्योगिकी भागीदारों के साथ संबंध बनाए रखना.
- इन भागीदारों के निष्पादन एवं डिलीवरी के मानकों के लिए निगरानी प्रणाली का स्तर बढ़ाना.
- कार्यनीतिक वेन्डर एवं भागीदारी संबंध बनाना और उनका प्रबंध करना.
- वेंडरों के साथ संविदाओं पर मोलभाव करना और डेरीवेटिवों की लागत एवं समय-सीमा का प्रबंध करना.
- अनेक विभागों एवं अनेक वेंडरों के साथ काम करना.

अनुपालन:

- अभिशासन के साथ-साथ विनियामक अनुपालन के लिए परियोजना मानकों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करना.
- आईटी सुरक्षा नीतियों के साथ विनियामक निर्देशों के प्रति अनुपालन एवं जोखिम प्रबंधन के लिए उत्तरदायी होना.

विशेषज्ञता उपलब्ध करवाना:

- बैंक की आईटी संबंधी समस्त आवश्यकताओं के संबंध में उद्योग विशेषज्ञता उपलब्ध करवाना.
- उभरती हुई प्रौद्योगिकी की व्यापक श्रृंखला का लेखाजोखा रखना जिससे उनकी परिपक्वता एवं उद्यम के लिए उपयोगिता का निर्धारण हो सके.
- वर्तमान एवं भावी प्रौद्योगिकी मानकों का रूपरेखा तैयार करना.
- समूह में उपयोग हो रहे आईटी एप्लिकेशनों के लिए मानक एवं बेंचमार्क तैयार करना.
- उभरती हुई प्रौद्योगिकियों की लागत कार्य-कुशलता का मूल्यांकन करना और वर्तमान आवश्यकताओं के लिए उनकी उपयोगिता का आकलन करना.
- समय-समय पर डीएमडी एवं सीआईओ/सीटीओ द्वारा सौंपे गए अन्य कार्य करना.

अनुलग्नक - III

उप मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (ई-चैनल्स) की
भूमिकाएँ, उत्तरदायित्व एवं प्रमुख निष्पादन क्षेत्र

भूमिका: ई-चैनलों का प्रबंध कर के सीटीओ एवं डीएमडी तथा सीआईओ की सहायता करना.

उत्तरदायित्व: ग्राहकों के लिए डिजिटल मूल्य प्रस्तावों को उन्नत बनाना और त्वरित उत्पाद प्रस्तुतियों, महत्त्वपूर्ण विशेषताओं, उत्तम लचीलेपन आदि को सुनिश्चित करना.

प्रमुख निष्पादन क्षेत्र:

ई-चैनलों के माध्यम से बैंकिंग सेवाओं का प्रबंधन एवं योजना:

- एसओए आधारित एपीआई आर्किटेक्चर को समझना.
- इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, एटीएम, कॉन्टेक्ट सेंटर, मोबाइल वालेट्स, मार्केट प्लेस आदि जैसे इलेक्ट्रॉनिक चैनलों (ऐसे सभी चैनल जिनके माध्यम से एक बैंकिंग सेवा को बगैर आमने-सामने रहे उपलब्ध करवाया जा सके) के संबंध में विकास/परिवर्तन.
- अन्य डेपोनेंट एप्लिकेशनों के साथ चैनल एप्लिकेशनों का एकीकरण.
- वेंडरों के साथ आईआर/सीआर का त्वरित निपटान.
- संचालित चैनलों और अन्य कार्य से जुड़े एप्लिकेशनों के लिए आईटी परिवेश/प्लेटफॉर्म की उपलब्धता.
- अग्रणी चैनल परिचालन टीम में अनुभव.
- चैनलों और अन्य कार्य से जुड़े एप्लिकेशनों का हार्डवेयर एवं डेटाबेस प्रबंधन.
- रिपोर्ट किए गए डाउनटाइम/मलफंक्शन घटनाओं का विश्लेषण एवं समाधान.

वेन्डर प्रबंधन:

- विभिन्न चैनलों में सहयोग करने वाले बैंक के तकनीकी भागीदारों के साथ संबंध बनाए रखना.
- इन भागीदारों के प्रदर्शन एवं डिलीवरी के मानकों के लिए निगरानी प्रणाली का स्तर बढ़ाना.
- कार्यनीतिक वेन्डर एवं भागीदारी संबंध बनाना और उनको प्रबंध करना.
- विभिन्न चैनलों में सहयोग करने वाले वेंडरों के साथ अनुबंधों पर मोलभाव करना एवं सामग्री की लागत एवं समय-सीमा का प्रबंध करना.

अनुपालन:

- चैनलों के माध्यम से बैंकिंग सेवाओं के लिए शासन के साथ-साथ विनियामक अनुपालन के लिए उपयुक्त मानकों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करना.
- चैनलों के माध्यम से बैंकिंग सेवाओं के लिए आईटी सुरक्षा नीतियों के साथ विनियामक निर्देशों के प्रति अनुपालन एवं जोखिम प्रबंधन के लिए उत्तरदायी होना.

विशेषज्ञता उपलब्ध करवाना:

- चैनलों के माध्यम से बैंकिंग सेवाओं के समस्त पहलुओं में उद्योग विशेषज्ञता उपलब्ध करवाना.
- उभरती हुई तकनीकों की व्यापक श्रृंखला का लेखाजोखा रखना जिससे उनकी परिपक्वता एवं चैनलों के लिए उपयोगिता का निर्धारण हो सके.
- चैनलों के लिए वर्तमान एवं भावी तकनीकी मानकों का मानचित्र तैयार करना.
- चैनलों के लिए समूह में उपयोग हो रहे आईटी एप्लिकेशनों के लिए मानक एवं बेंचमार्क तैयार करना.
- उभरती हुई तकनीकों की लागत कार्य-कुशलता का मूल्यांकन करना और चैनलों के लिए उनकी उपयोगिता का आकलन करना.
- समय-समय पर डीएमडी एवं सीआईओ/सीटीओ द्वारा सौंपे गए अन्य कार्य करना.